प्रश्नोत्तरी में ईशा, श्रुति और मीनू की टीम रही प्रथम

महिला विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्राएं। (अरोड़ा)

गोहाना, 4 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में एम.ए. के प्रथम वर्ष की छात्राओं की शुक्रवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई जिसका आयोजन संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ. श्री लेखा चौबे ने किया।

4 टीमों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता संस्कृत साहित्य के नाटक मृच्छकटिकम पर आधारित थी। इस प्रकरण ग्रंथ के रचयिता शूद्रक, उनके रचनाकाल, रूपक के प्रकरण, भेद की विशेषताओं, नाटक एवं प्रकरण में समता-विषमता तथा मृच्छकटिक के पात्रों एवं घटनाओं के प्रश्न पूछे गए।

टीम ए में ईशा, श्रुति और मीनू ने प्रथम स्थान, टीम सी में प्रीति, एकता और अनुज, टीम बी में तनु, सोनिया और नैना तृतीय रहीं। संस्कृत शिक्षक मनीष कुमार एवं शिक्षिका शालू देवी का आयोजन में विशेष योगदान रहा।

महिला विवि में सामाजिक सुरक्षा पर होगा कार्यक्रमः डॉ. मंजू पंवार

कुलपति प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि के समाज कार्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि यह कार्यक्रम 8 से 10 अप्रैल तक चलेगा। कार्यक्रम के लिए वित्तीय अनुदान सहयोग प्राप्त हुआ है। यह कार्यक्रम समाज कार्य शिक्षकों के लिए आयोजित होगा जिसमें विभिन्न विषयों जैसे भिक्षावृत्ति, नशीली दवाओं आदि के दुरुपयोग करने के लिए और जरूरतमंद लोगों को सहयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रतियोगिता में छात्राओं की झलकी प्रतिभा, 100 से अधिक प्रश्न पूछे

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में शुक्रवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डॉ. श्रीलेखा चौबे ने की। यह प्रतियोगिता संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध नाटक मृच्छकटिकम् पर आधारित थी जिसमे छात्राओं ने अपनी प्रतिभा की शानदार प्रस्तुति दर्ज करवाई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उक्त प्रकरण ग्रन्थ के रचयिता शूद्रक, उनके रचनाकाल, रूपक के प्रकरण भेद की विशेषताओं, नाटक एवं प्ररण में समता /विषमता तथा मृच्छकटिक के पात्रों एवं घटनाओं से सम्बन्धित 100 से भी अधिक प्रश्न पूछे गए। टीम ए की छात्राएं ईशा, श्रुति और मीनू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। टीम सी की छात्राएं प्रीति, एकता और अनुज द्वितीय जबकि टीम बी से तन्नु, सोनिया और नैना तृतीय स्थान पर रही।

दीक्षांत समारोह में कुलपति ने छात्राओं को बांटी डिग्रियां

अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए : डॉ. सुदेश

स्कूल और कॉलेज में जो सीखा है, उसी से जीवन बनाना होगा : कादियान

मुख्य अतिथि खानपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुदेश, विशिष्ट अतिथि विधायक देवेंद्र कादियान ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

सीसीएएस जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज में दूसरा दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि खानपुर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुदेश व विशिष्ट अतिथि हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने शिरकत की । समारोह की अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष आनंद जैन ने की। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के बाद अतिथियों का स्वागत हुआ। मंच से उनकी उपलब्धियों से छात्राओं को प्रेरित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर की 71 छात्राओं को डिग्रियां दी गईं। सभी छात्राएं भारतीय परिधान में थीं। डिग्री मिलते ही छात्राओं के चेहरे खिल उठे। उन्होंने हाथ में डिग्री लेकर मोबाइल से सेल्फी ली। सभी छात्राओं, प्राध्यापकों और अतिथियों को पगड़ियां पहनाई गईं। कुलपति डॉ. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरणा दी। कहा कि आत्मविश्वास से ही मंजिल मिलती है। लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें। अच्छा चरित्र समाज में सम्मान बढ़ाता है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि विद्यार्थी बड़े सपने देखें। अनुशासन से ही सफलता मिलती है। डिग्री के बाद असली जीवन की परीक्षा शुरू होती है। स्कूल और कॉलेज में जो सीखा है, उसी से जीवन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी उन लोगों के ऋणी रहें जिन्होंने मार्गदर्शन किया। प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ने छात्राओं की सालभर की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज वाइस प्रेसिडेंट भूषण भाटिया, गुरु नानक कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अर्चना आर्य, समालखा पीएम स्कूल की प्रिंसिपल दुर्गा, महावटी स्कूल के प्रिंसिपल संजीव कुमार और कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा ।

खानपुर विवि की कुलपति डॉ. सुदेश का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते प्राचार्य डॉ मनोज।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान, कुलपति डॉ. सुदेश को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान करते कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर मनोज व समिति अध्यक्ष आनंद जैन।

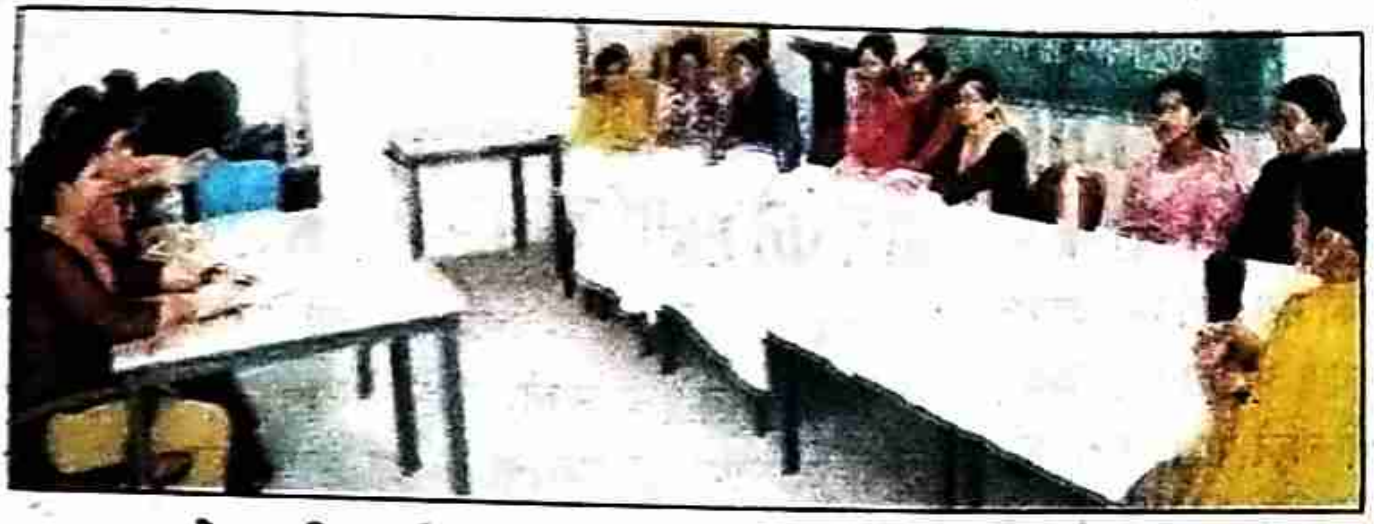

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम ए की छात्राएं कुमारी ईशा, श्रुति और मीनू रही प्रथम

गोहाना, 4 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में एम.ए . प्रथम वर्ष की छात्राओं के ज्ञान वर्धन के लिए आज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ. लेखा चौबे द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता संस्कृत साहित्य के सुप्रसिद्ध नाटक मृच्छकटिकम् पर आधारित थी, जिसमे छात्राओं ने बेहतरीन तैयारी के साथ भागीदारी की। डॉ. लेखा चौबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उक्त प्रकरण ग्रन्थ के रचयिता शूद्रक ,उनके रचनाकाल, रूपक के प्रकरण भेद की विशेषताओं, नाटक एवं प्ररण में समता/विषमता तथा मृच्छकटिक के पात्रों एवं घटनाओं आदि से संबंधित 100 से भी अधि प्रश्न पूछे गए। टीम ए की छएं कुमारी ईशा, श्रुति और मीनू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। टीम सी की छात्राओं कुमारी प्रीति, एकता और अनुज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि टीम बी की छात्राएं कुमारी तन्नु, सोनिय और नैना तृतीय स्थान पर रही। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन समय समय-समय पर निश्चित रूप से किया जाना चाहिए। संस्कृत शिक्षक मनीष कुमार एवं शिक्षिका शालू देवी का आयोजन में विशेष योगदान रहा।

8 से 10 अप्रैल तक आयोजित प्रशिक्षण सभी प्रतिभागियों को देगा नई दिशा : कुलपति

गोहाना, 4 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह

महिला विश्वविद्यालय के समाज का विभाग द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भगत फूल सिंह महिलाविश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश अनुसार डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि यह कार्यक्रम 8 से 10 अप्रैल तक आयोजित किया जिसमें विभिन्न विषयों जैसे भिक्षावृत्ति, नशीली दवाओं आदि के दुरुपयोग करने के लिए और जरूरतमंद लोगों को सहयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके लिए विभिन्न जिलों तथा राज्यों के शिक्षण संस्थान जैसे दिल्ली ,रुक्षेत्र, झज्झर ,रिवाड़ी भिवानी, आदि से प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। कुलपति प्रो. सुदेश ने खुशी जाहिर करते हुए भारत सरकार को धन्यवाद किया और कहा कि सरकार हमेशा महिला शिक्षा के सहयोग को तत्पर रहती है। कुलपति ने आश्वाशन दिया कि यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण सभी प्रतिभागियों को नई दिशा देगा।

समारोह में 71 छात्राओं को मिलीं डिग्रियां

सोनीपत के गन्नौर स्थित सीसीएएस जैन कन्या पीजी महाविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्राओं, प्राध्यापकों के साथ मुख्यातिथि कुलपति डॉ. सुदेश व विधायक देवेंद्र कादियान। स्रोत: प्रवक्ता

संवाद न्यूज एजेंसी

गन्नौर। जीटी रोड स्थित सीसीएएस जैन कन्या पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार को दूसरा दीक्षांत समारोह आयेजित किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि बीपीएस राजकीय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुदेश रहीं। विशिष्ट अतिथि हलका विधायक देवेंद्र कादियान रहे। समारोह की अध्यक्षता जैन शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष आनंद जैन ने की।

दीक्षांत समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर की 71 छात्राओं को डिग्रियां दी गईं। सभी छात्राएं भारतीय परिधान में थीं। डिग्री मिलते ही छात्राओं के चेहरे खिल उठे। कुलपति डॉ. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरणा देते हुए कहा कि लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें। अच्छा चरित्र समाज में सम्मान बढ़ाता है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि जिसे लक्ष्य बनाया है उसे पाने के लिए पूरी मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलेगी। किस्मत के भरोसे नहीं, मेहनत के दम पर आगे बढ़ना चाहिए। कॉलेज उपाध्यक्ष भूषण भाटिया व प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

प्रश्नोत्तरी में ईशा, श्रुति व मीनू प्रथम

गोहाना | बीपीएस महिला विवि के संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत साहित्य के नाटक मृच्छकटिकम पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। विभाग की अध्यक्ष डॉ. लेखा चौबे के अनुसार प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उक्त प्रकरण ग्रंथ के रचयिता शूद्रक, उनके रचना काल, रूपक के प्रकरण, भेद की विशेषताओं, नाटक एवं प्रकरण में समता एवं विषमता औरमृच्छकटिक के पात्रों एवं घटनाओं आदि से संबंधित 100 से भी अधिक प्रश्न पूछे गए।

इसमें टीम-ए की छात्रा ईशा, श्रुति व मीनू प्रथम, टीम-सी से प्रीति, एकता और अनुज द्वितीय और टीम-बी से तन्नू, सोनिया व नैना तृतीय रहीं। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्राओं का न केवल ज्ञानवर्धन होता है, बल्कि उनमें प्रतिस्पर्धा का भाव जगाकर उनकी ऊर्जा का सदुपयोग भी किया जा सकता है। मौके पर शिक्षक मनीष कुमार, शालू देवी मौजूद थे।